मिण्डाव (भारे ८ (भार) बदम् वाच्छना ।	দ্য, এবা, এস-ধের মধ্য হুইতে প্রেদানিতর সাধ্যমে। বিদি অনুমারী বিদি অনুমায়ী	du Wing ut	לגף לגף לפן לגלי	л А
अधिक हाउपर (म्यो) ८ । ५ अधिक हाउपर १ (म्यो) ८ । ५ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १			हिक्तिका । कि	ь ь
ा बहेम स्थिनी भर्षात त्वांश	E. E.	होत है है है	<u>ল্ভ</u> রাঞ্	ন
	E E		- FI = - 1 FI = 5 - 1 FI = 1 - 1 FI = 1 - 1 FI = 1	D.
। विद्युति	প্রে। দিনাধাতর সাধান্য। বিদ্যাদ্দ প্রাধান্য। কি		हिकिशिनिगि। हिक्छार नाम्यवर्छ इहोक्पाप्टर्-शार	8
ह (वांष्ट) ठ इंगिल इंग्लिको	ठाउँड्र १४४ हमाहिक हुए निष्युवर्	••	क्रिमिन्न विश्व	6
(बाक्षाव)	ভিন্তে। প্রস্তি।	्राप्ति मीत्रा।	8	Ç
	. जन्म विद्या	महामानि निरम्भाति होत्राहरा	। हो हम्प्राप्त इसीमी	कृष्टीक 1%

লোভ আপ্তল সাকলর, ডেপানুটি কথেটালার, বালোধেশ দলন্য, ও প্রকাশনী অফিন, ডেজগাঙি, ঢাকা المال في المال প্ৰক্ষর ওবায়দ,তা মোতাদের, ডেপানির, কভেটালার, বাংলাদেশ সরকারী ম্রাণালয়, ঢাঞা, কতৃক ম্নিড। हिम्कि क्रम । विक्वार

थम, बाद, ७ 493-1/83/बम/बानांव-बाहा- ১४/४६-भा-१—১৯४२ मालन कर्मान कर्ष कर्मानक DARC भट्डन्वद्र २५, गिका, १८८म नर्डन्यन ५३४६ बार्डा उद्योष मन्त्रम विष्णाता गिपशकाण्यी वार्लातम् मद्र ज्य बन्धनान्य विख्यीक व्रश्निश्वाद,

व्यार्थिय म्या

16.164

माहत ।

मक्रिका वारम्बाह

১। मरीकण्ड मिद्धानामः—धर् विधियाना व्यापाषिङ कर्याठाती (वार्नातमा कत साभीन माटर्त स्यायना स्माजातक जनर जम्हम्मत्ना सिन्ज कम्मणान्त दाष्ट्रेमिण नारनाहम्म সাভিস কমিশনের সহিত প্রামশক্মে নিশ্দর্প বিধিমালা প্রণয়ন করিলেন, যথাঃ— जामानज) निरम्नार्गाविष, ১৯४৫, नाम ज्यान्छिण श्टेरव।

२। माखानमा र ः—विवस किरवा श्रमात्मात भित्रमन्त्री किथ्य, ना थाकिटल धरे विधियातास, (क) "क्मिमन" विन्तु वार्साएका मत्काती क्य किमिनातक व्याहेत

(গ) "দিয়োগকারী কর্পক্ষ" বলিতে সরকারকে ব্ঝাইবে এবং ফোন নিদিষ্ট পদ অথবা এইর্প পদ শ্রেণীর সহিত সম্পকিত নিয়োগের ব্যাপারে, সরকার কত্ক ক্ষতা (খ) "ডফসিল্" বলিতে বিধিমালার সহিত সংযোজিত ডফসিল ব্ঝাইবে; अम्छ य रकान कर्मकर्ण हेश्व क्ष्ट्रं हेर्द,

(घ) "निष्धं भए" विनट उक्तित्व উল্লেখিত भए व्याहेत्व;

"श्वरक्षाजनौत्र त्याभाखा" विनाट उक्षिमत्न वर्षिण निर्मिक भएमत्र त्याभाषा वृत्याद्ततः (5) "मिक्सानदीय" रिमिट्ड निर्मिड भएष भिक्सानदीय दिमाद नियुक्ड दिना राज्यिक (39)

(802)

र्नाः ३० भागा

७। निस्ताण भंषि ३-(১) छक्तित विर्वात्र विष्यात्रास्त्रास्त्र कान निर्मक भए निम्न विष्ठ न्यित्वात्र मान कदा इट्टा =-

(क) मजामीव निखालित माधात्म, व्यथवा

(य) भारताजीएत भारताता।

(२) क्वान वािष्डिक क्वान निर्मिष्ठे भएम निरामणं कहा इट्रेप ना यिम जण्डाना श्रासनीय যোগাতা ভাহার না থাকে এবং সরাসরি নিয়োগন্দেতে, তাহার বয়স উন্ভ পদের জন্য তফসিমূল

৪। সরাসরি নিয়োগঃ—(১) কমিশনের স্পারিশ ব্যতিরেকে কোন নিদিন্ট পদে কোন वांडरक मदामीं निरंशाभ कहा होनर ना।

(২) নিদিভ পদে সরাসরি নিয়েগের জন্য কোন ব্যক্তি যোগ্য বলিয়া বিবেচিত হইবে না

(क) वार्जाएम्टमें नार्गाद्रक मा रुम ज्यवा वार्जाएम्टमें व्रष्टां वामिन्मा मा रुम, ज्यथवा याः नामान जानमा का वन। जान व वां के वर्ष वह विकार विकार विकार विकार विकार নিয্ত রহিয়ছেন, তাহার কেত্রে এই দফা প্রবোজ্য হইবে না; এবং

(খ) এমন দেনে ব্যক্তিনে বিবাহ করেন অথবা বিবাহ করিবার জন্য প্রতিপ্র,তিবন্ধ হন विश्नि वाश्नारमत्भव नागितक नर्यन।

(৩) কোন নিদিটে পদে সরাসরি নিরোগ করা হইবে না, যদি—

নিয়োগের জন্য বাহাইকত ব্যক্তির ব্যাহ্য প্রশিকার উদ্দেশ্যো ব্যাহ্য পরিদশ্তরের মহাপরিচালক কর্ঠক মনোশতি কোল মেডিকাল অফিসার এই মর্মে প্রত্যায়ন না করেন, যে, উত্ত ব্যক্তি স্বাস্থ্যগতভাবে অনুর্প পদে নিয়োগ যোগ্য এবং তিনি এইর্প टिना रैनीइक दिक्टना जूनिट्टिक्न ना. यादा निर्मिष्ठ भारमत माग्निष्ठ भानात दिनान वाघांट माहे कांत्रांड भारत : धवरः

(খ) এইরুপ বাছাইকৃত ব্যক্তির পুর্ব কার্যকলাপ য্যাযোগ্য এজেন্সীয় মাধ্যমে তদ•ত না হইয়া থাকে ও তদশ্তের ফলে দেখা যায় যে, প্রভাতদের চাকুরীতে নিখা্ছর জন্য

(८) दिमान साहिएक दिनान निर्मिष्ठ भएन निरम्नारमन जन्म मूथानिभ कन्ना र्येदन ना यिन रिनिन

উত্ত পদের জন্য ফারিশন ক্তুক দ্রোদত আহ্নানের বিজ্ঞতিতে উরোখত ফিস্ফ यथायथ कतात ७ निर्मिटी जीतरथत गर्था मतथान्छ मनिथलं ना करतन; अवर

(थ) नवकावी ठावूनी किश्वा ह्यान व्यानीस कर्षणाकत छन्द्रीहरू निस्साधिक थाकाकारम न्तीय छेर्दा कार्यकर्णात नाथात्व मृत्रथात्व माथिल ना कत्त्रन।

बारकारम् अधिके, पछितिक, गाउषत २३, ३३४०

(४। भरमात्रिक नायात्म नित्याथः (১) वजम्तम्मत्या मत्रमात्र कष्क गीठेड

পদোষতি কমিটির সুপারিশের ভিত্তিতে নিদিক্ট পদে পদোষতির মাধ্যমে নিয়োগ করা যাইবেঃ—

(২) যদি কোন ব্যক্তির চাকুরীর ব্তাল্ড সলেতাবজনক না হয়, তাহা হইলে ভিনি নিদিন্ট পদে পদোষতির মাধ্যমে নিয়েটের জনা যোগা বলিয়া বিবেচিত হইবেন না।

७। मिक्कानिकिः—(১) स्टायी भाजा भरम्य विमर्वारिक निर्मिक भरम्य निरसारिभय जना বাছাইকৃত ব্যক্তিকে শিক্ষানবিসি শ্তরে—

(ক) সরাসরি নিয়োগেল ক্ষেত্রে স্থায়ী নিয়োগের তারিশ হইতে দুই বংসরের জনা; এবং

(খ) পদোষ্যতির ক্ষেত্র, এইর,প নিরোগের তারিখ হইতে এক বংসরের জন্য নিয়েণ করা

भेज थाक त्य, नित्याभकात्री कर्णभक्त कात्रम नियम कात्रा भिक्तातिभेत्र स्वाम এইর,প সম্প্রসারণ করিতে পারেন যাহাতে বৃধিত মেয়াদ সর্বসাক্তলা দুই বংসরের

(२) त्य एकत्व कामानिष्य स्थाम ठनाकात्न निसानकाती कर्णभक्त यान করেন যে ভাহার আচরণ ও কর্ম সন্তোবজনক না্হ কিংবা ভাহার ক্ষাদক্ষ হওয়ার সম্ভাবনা নাই দে কেত্ৰে নিয়োগকারী কত্পকঃ—

(ক) সরাসরি নিয়োগের কেতে, শিক্ষানবিসের চাকুর রি অবসান ঘটাইতে পারিবেন; এবং

(খ) পদোষ্ঠির ক্লেত্র, তাহাকে কে পদ হইতে পদোষ্ঠিত দেওয়া হইরাছিল সেই পদে अधावष्य कदाहर भादिरका

(৩) ফিকানবিসির ফেরাদ, বহিত মেরাদ থাকিলে তাহাসহ, সমস্ণ হভয়ার পর নিরোগকারী

(ক) যদি এই মনে সন্তুণ্ট হন যে, নিকানবিসির মেয়াদ চলাকালে কোন শিকানবিসের चाठति ७ कर्म मरण्डावजनक, डाटा ट्टेरन (८) डेभ-विधित विधान मारभरक, डाटास्क ठाकुनीए स्था कांत्र्यनः खदः

(খ) যদি মনে করেন যে, উত্ত মেয়াদ চলান্দালে শিক্ষানবিসের আচরণ ও কর্ম সন্ভোষজনক किन ना, टारा ट्रेंटन डेंड कर्णनम्-

(অ) সরাসার নিয়েগের কেতে. তাহার চাকুর রৈ অবসান ঘটাইতে পারিবেন: এবং

(जा) भएमाघ्री उद्गादक त्य भन श्टेट भएमाघ्रीण एमख्या श्टेयाधिन, त्महे भएम कटाविट न क्वाइएट भावदन्ता (8) टबान भिष्यागीवनटक टकान निर्मिट भएम न्यात्री कता श्वेरव ना यङ्कल ना अत्रकात्री আদেশ বলে সমারে সমারে সেবশিকা ও প্রশিক্ষণের বাবন্হা করা হয়, সেই পরশিকায় তিনি পান क्राज्ञ ७ शिभक्रम शह्म कात्रम। Government of the prople's Republic of Bangladesh Gazette, Part 1, dated the 24th May, 1981.]

GOVERNMENT OF THE PROPLE'S REPUBLIC OF BANGLADESH

MINISTRY OF FINANCE Internal Resources Division Section II

NOTIFICATION

Dhaka, the 13th May 1984

No. MF/IRD-II-54/82/238.—In pursuance of the Preclamation of the 24th March, 1982, and in exercise of all powers enabling him in that behalf, the President, after consultation with the Bangladesh Public Service Commission, is pleased to make the following rules, namely:—

THE REGISTRAR AND ASSISTANT REGISTRAR (INCOME TAX APPELLATE TRIBNUAL)
RECRUITMENT RULES, 1984.

- 1. Short title.—These rules may be called the Registrar and Assistant Registrar (Income Tax Appellate Tribunal) Recruitment Rules, 1984.
- 2. Definitions.—In these rules, and unless there is anything repugnant in the subject or context,—
 - (a) "appointing authority" means the Government and includes, in relation to a specified post, any officer authorised by the Government in this behalf;
 - (b) "Commission" means the Bang'adesh Public Service Commission;
 - (c) "Probationer" means a person appointed on probation to a specified post;
 - (d) "recognised University" means a University established by or under any law for the time being in force and includes any other University declared by the Government, after consultation with the Commission, to be a recognised University for the purpose of these rules;
 - (e) "requisite qualification" in telation to a specified post, means the qualification laid down in the Schedule in relation to that post;
 - (f) "Schedule" means the Schedule annexed to these rules; and
 - (g) "specified post" means a post specified in the Schedule.
- 3. Procedure for recruitment—(1) Subject to the provisions of the Schedule, appointment to a specified post shall be made—
 - (a) by direct recruitment; or
 - (b) by promotion.
- (2) No person shall be appointed to a specified post unless he has the requisite qualification and, in the case of direct recruitment, he is also within the age limit laid down in the Schedule for that post:

Provided that in the case of a person who has already been appointed to a specified post on ad hoc basis, the ago limit may be relaxed by such period as he may have been holding the post continuously as an ad hoc appointee.

- 4. Appointment by direct recruitment.—(1) No appointment to a specified post by direct recruitment shall be made except upon the recommendation of the Commission.
- (2) No can shall be eligible for appointment to a specified post by direct recruitment, if he-
 - (a) is not a citzen or a permanen; resident of, or domicided in, Bangladesh; or

- (b) is married to, or has entered into a promise of marriage with, a person who is not a citizen of Bangladesh.
- (3) No appointment to a specified post by direct recruitment shall be made until—
 - (a) the person selected for appointment is certified by a Medical Board set up for the purpose by the Director General of Health Services that he is mediacily fit for such appointment and that he does not suffer from any such organic defect as is likely to interfere with the discharge of the duties of that post; and
 - (b) the antecedents of the person so selected have been verified through appropriate agencies and found to be such as do not render him unfit for appointment in the service of the Republic.
 - (4) No person shall be recommended for appointment to a specified post unless-
 - (a) he applied in such form, accompanied by such fee and before such date, as was notified by the Commission while inviting applications for that post; and
 - (b) in the case of a person already in Government service or in the service of a local authority, he applied through his official superior.
- 5. Appointment by promotion.—(1) Appointment by promotion to a specified post shall be made on the recommendation of such Departmental Promotion Committee as the Government may constitute in this behalf:

Provided that appointment by promotion to a specified post of higher class shall be made on the recommendation of the Commission.

- (2) A person shall not be eligible for appointment by promotion to a specified post if he has unsatisfactory records of service.
- 6. Probation.—(1) Persons selected for appointment to a specified post against a substantive vacancy shall be appointed on probation,—
 - (a) in the case of direct recruitment, for a period of two years from the date of substantive appointment; and
 - (b) in the case of promotion, for a period of one year from the date of such appointment:

Provided that the appointing authority may, for reasons to be recorded in writing, extend the period of probation by a period or periods so that the extended period does not exceed two years in the aggregate.

- (2) Where, during period of probation of a probationer, the appointing authority is of opinion that his conduct and work is unsatisfactory or that he is not likely to become efficient, it may, before the expiry of that period.—
 - (a) in the case of direct recruitment, terminate his service; and
 - (b) in the case of promotion, revert him to the post from which he was promoted.
- (3) After the completion of the period of probation including the extended period, if any, the appointing authority,—
 - (a) if it is satisfied that the conduct and work of the probationer during his period of probation has been satisfactory,

shall, subject to the provisions of subrule (4), confirm him; and

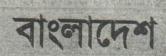
- (b) if it is of opinion that the conduct work of the probationer during that period was not satisfactory, may,—

 (i) in the case of direct recruitment,
 - terminate his service; and
- (ii) in the case of probation, o'vert him to the post from which he was pounoted.
- (4) A probationer shall not be confirmed in a specified post until he has passed such examination and undergone such training as the Government may, from time to sime, direct:

1	2	the same of the sa		Requisite qualification.
	-	3	4	5
1 Registra			ly promotion from amongst the Assistant Registrar.	(a) Bachelor degree in Law from recognised University; and
2 Assistant	Regis- Not excer years.	eding 27 (i)	Two-thirds by direct recruit- ment; sind	(b) Seven years' experience a
How to the second		a Soft (K.)	One-third by promotion from amongst the perma- nent Stenographers and per- manent Upper Division Assistants.	For promotion, Ton yours' ex-

Preference will be given to a candidate having a Bacheler degree in Law from a recognised University nised University.

By order of the Provident S. B. CHAUDHURI Secretary.





্অতিরিক্ত সংখ্যা কর্তৃপক্ষ কর্তৃক প্রকাশিত

রবিবার, জুন ৩০, ২০০২

বাংলাদেশ জাতীয় সংসদ

ঢাকা, ৩০শে জুন, ২০০২/১৬ই আষাচ়, ১৪০৯

সংসদ কর্তৃক গৃহীত নিম্নলিখিত আইনটি ৩০শে জুন, ২০০২ (১৬ই আষাঢ়, ১৪০৯) তারিখে রাষ্ট্রপতির সম্মতি লাভ করিয়াছে এবং এতদ্বারা এই আইনটি সর্বসাধারণের অবগতির জন্য প্রকাশ করা যাইতেছে ঃ—

২০০২ সনের ১৪নং আইন

সরকারের আর্থিক প্রস্তাবাবলী কার্যকরকরণ এবং কতিপয় আইন সংশোধনকল্পে প্রদীত আইন

যেহেতু সরকারের আর্থিক প্রস্তাবাবলী কার্যকরকরণ এবং নিম্নবর্ণিত উদ্দেশ্যসমূহ প্রপক্ষে কভিপয় আইন সংশোধন করা সমীচীন ও প্রয়োজন ;

সেহেতু এতহারা নিম্নরপ আইন করা হইল ঃ-

প্রথম অধ্যার

প্রারম্ভিক

১। সংক্রিও শিরোনাম ও প্রবর্তন।- (১) এই আইন অর্থ আইন, ২০০২ নামে অভিহিত হইবে।

(২) The Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (XVI of 1931) এর অধীনে জারীকৃত ঘোষণা এই আইন ২০০২ সনের ১লা জুলাই তারিখে কার্যকর হইবে

(1800)

मृना ३ गिका ३८-००

नव्य खशाय

Income-tax Ordinance, 1984 (Ord. No. XXXVI of 1984) এর সংশোধন

২৭। Ordinance No. XXXVI of 1984 এর section 2 এর সংশোধন।- Income -tax Ordinance, 1984 (XXXVI of 1984), অতঃপর Income-tax Ordinance বলিয়া উল্লিখিত, এর section 2 এর-

(ক) clause (26) এর-

- (জ) sub-clause (d) এর পর নিম্নরপ sub-clause (dd) সন্নিবেশিত হইবে, যথাঃ-
 - "(dd) any profit remitted outside Bangladesh by a company not incorporated in Bangladesh under কোম্পানী আইন, ১৯৯৪ (১৯৯৪ সনের ১৮ নং আইন);": এবং
- (আ) sub-clause (iii) এর পর নিমন্ত্রপ নতুন sub-clause (iiia) সন্নিবেশিত হইবে, যথাঃ-
 - " (iiia) any bonus share issued by a company;";
- (খ) clause (34) এর শেষ প্রান্তস্থিত সেমিকোলন এর পরিবর্তে কোলন প্রতিস্থাপিত হইবে এবং অতঃপর নিমন্ত্রপ proviso সংযোজিত হইবে, যথাঃ"Provided that the amount representing the face value of any bonus share or the amount of any bonus declared, issued or paid by any company registered in Bangladesh under কোম্পানী আইন, ১৯৯৪ (১৯৯৪ সনের ১৮ নং আইন) to its shareholders with a view to increase its paid-up share capital shall not be included as income of that share holder,": এবং
- (গ) clause (62) এর "and includes any" শব্দুলর পর " additional tax, excess profit tax, "শব্দুল ও কমা সন্নিবেশিত হইবে।

২৮। Ordinance No. XXXVI of 1984 এর section 11 এর সংশোধন।-Income -tax Ordinance এর section 11 এর-

- (ক) sub-section (1) এর "judicial and accountant " শ্বৰণ বিশুও ইংকার;
- (খ) sub-section (2) विनुख इইरव; এবং

lnco

বিলুপ্ত

সন্নিবে ও 16

(1) SUB-SECTION (3) 43 19318 (1757) UD-SCOTION (3) 1970

मश्टनाधन

1- Income Ordinance

1) সন্নিবেশিত

desh by a der কाम्भानी

ause (iiia)

নন প্রতিস্থাপিত

alue of any d, issued or der কোম্পানী ders with a hall not be

additional

धत्र अश्राधन।-

मक्छनि विनुष

"(3) A person shall not be appointed as a member of the Taxes Appellate Tribunal unless -

(i) he was a member of the Board; or

(ii) he was a Commissioner of Taxes; or

(iii) he is a Commissioner of Taxes; or

(iv) he is a chartered accountant and practiced professionally for a period not less than eight years; or

 (v) he is a cost and management accountant and practiced professionally for a period not less than eight years; or

(vi) he is an income tax practitioner within the meaning of section 174(2)(f) and practiced professionally for not less than twenty years; or

(vii) he' is a professional legislative expert having not less than eight years experience in the process of drafting and making financial and tax laws; or

(viii) he is an advocate and practiced professionally for not less than ten years in any income tax office."

No. XXXVI of 1984এর section 12 এর সংশোধন।
Income -tax Ordinance এর section 12 এর sub-section (2) এর "and that there
is equality in number of judicial members and accountant members" সম্প্রতি
বিশ্ব হইবে।

৩০। Ordinance No. XXXVI of 1984 এর নতুন section 16B ও 16C এর সন্নিবেশ।- Income-tax Ordinance এর section 16A এর পর নিমরপ নতুন sections 16B ও 16C সন্নিবেশিত হইবে; যথা ঃ-